ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-11-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-11-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-11-30	2024-12-01	2024-12-02	2024-12-03	2024-12-04
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	27.0	27.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	8.0	8.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	92	95	90	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	71	74	72	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	5	5	4
पवन दिशा (डिग्री)	360	330	350	340	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (22 से 28 नवंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 25.2 से 27.1 डिग्री सेल्सियस और 9.0 से 11.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 84 से 95% के बीच और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 37 से 49% के बीच रही। हवा की गति 0.7 से 1.7 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर-उत्तर-पश्चिम, पूर्व, पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-दक्षिण-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में वर्षा नहीं दिखाई दे रही है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27.0-28.0 डिग्री सेल्सियस और 8.0-9.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 4-5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर उत्तर, उत्तर-पश्चिम-उत्तर, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेंगी। आगामी सप्ताह में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.10-0.30 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। 29.11.2024 से 05.12.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, क्षेत्र में बारिश की कोई संभावना नहीं है, इसलिए कटी हुई फसल को ठीक से सुखाया जाना चाहिए और रबी फसल की बुवाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए तथा 25-30 दिन के अंतराल पर नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए, जबकि ताजा अंकुरित फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	कटी हुई फसल को अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए, मड़ाई करके आगे उपयोग के लिए भंडारित किया जाना चाहिए, जबकि पछेती किस्मों की खड़ी फसल में कीट नियंत्रण किया जाना चाहिए।
चना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 और 45-50 दिनों के अंतराल पर फसलों की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए। खरपतवारनाशी के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेन्डीमेथालिन 32 ईसी + इमाजेथापायर 2 ईसी) जैसे रसायन 1.0 किलोग्राम 200-250 लीटर पानी में डाला जा सकता है। कीड़ों का पता लगाने के लिए फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर लगाना चाहिए। यदि 2-3 दिनों की लगातार अवधि के लिए 5-6 मॉथ प्रति प्रपंच देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से एक का उपयोग किया जाना चाहिए यानी 500 सूड़ी तुल्यांक के लिए एनपीवी या बीटी 1 किलो/ हेक्टेयर की दर से या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिलीलीटर की दर से या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम की दर से या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से । अनुमानित वर्षा की स्थिति में खेती के कार्यों को टाला जा सकता है।
मसूर की दाल	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 और 45-50 दिनों के अंतराल पर फसलों की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए। खरपतवारनाशी के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेन्डीमेथालिन 32 ईसी + इमाजेथापायर 2 ईसी) जैसे रसायन 1.0 किलोग्राम 200-250 लीटर पानी में डाला जा सकता है। कीड़ों का पता लगाने के लिए फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर लगाना चाहिए। यदि 2-3 दिनों की लगातार अवधि के लिए 5-6 मॉथ प्रति प्रपंच देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से एक का उपयोग किया जाना चाहिए यानी 500 सूड़ी तुल्यांक के लिए एनपीवी या बीटी 1 किलो/ हेक्टेयर की दर से या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिलीलीटर की दर से या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम की दर से या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से । अनुमानित वर्षा की स्थिति में खेती के कार्यों को टाला जा सकता है।
रेपसीड	अंकुरित फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
सरसों	अंकुरित फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
गेहूँ	फसल बोते समय नमी बनाए रखें तथा अगेती किस्मों की बुवाई करें। पहली सिंचाई 25-30 दिन के अंतराल पर करें।
जौ	फसल की बुवाई महीने के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए।
फील्ड पी	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 और 45-50 दिनों के अंतराल पर फसलों की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए। खरपतवारनाशी के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेन्डीमेथालिन 32 ईसी + इमाजेथापायर 2 ईसी) जैसे रसायन 1.0 किलोग्राम 200-250 लीटर पानी में डाला जा सकता है। कीड़ों का पता लगाने के लिए फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर लगाना चाहिए। यदि 2-3 दिनों की लगातार अवधि के लिए 5-6 मॉथ प्रति प्रपंच देखे जाते हैं, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से एक का उपयोग किया जाना चाहिए यानी 500 सूड़ी तुल्यांक के लिए एनपीवी या बीटी 1 किलो/ हेक्टेयर की दर से या इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिलीलीटर की दर से या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम की दर से या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से । अनुमानित वर्षा की स्थिति में खेती के कार्यों को टाला जा सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मूली	यूरोपियन किस्म को 6-8 किग्रा/हेक्टेयर तथा एशियाई किस्म को 10-12 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, जबकि लाइन से लाइन की दूरी 20-25 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमी होनी चाहिए।
टमाटर	नर्सरी में बुवाई की जा सकती है और 4-6 सप्ताह बाद पौधों को रोपा जा सकता है।
शिमला मिर्च	नर्सरी की बुवाई करनी चाहिए और पौधों की रोपाई 4-8 सप्ताह बाद करनी चाहिए।
गाजर	यूरोपियन किस्म को 5-6 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, लाइन से लाइन की दूरी 20-40 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी होनी चाहिए।
चुकंदर	यूरोपियन किस्म को 7-10 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, जिसमें पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30-45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी होनी चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	बुवाई 80-120 किग्रा/हेक्टेयर की दर से की जा सकती है, लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सेमी होनी चाहिए। बढ़ती फसल की निगरानी की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	बदलते मौसम के साथ पशुओं के नवजात शिशुओं में निओमोनिया की संभावना अधिक रहती है। इसलिए सलाह दी जाती है कि पशु शेड को ठंड से बचाना चाहिए और पशुओं को गर्म भोजन देना चाहिए।
गाय	मानसून के बाद आहार नाल में विभिन्न प्रकार के आंतरिक परजीवी उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए सबसे पहले पशुओं को दवा यानि कृमिनाशक दवा देनी चाहिए।